

चिंतन

चुनावी शोर में दब रहा
महिला सुरक्षा का मुद्दा

बे

कंपनी की सरकारें महिला सुरक्षा की कितनी भी ढाई देती हैं, लेकिन हकीकत बहुत कड़वी है। देश में वर्ष 2022 में 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' की 4.45 लाख प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। ये अंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम नहीं लग पा रही है। एनसीआरबी के तेजा आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2022 के दौरान देशपर के थानों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किए गये। इससे पहले 2021 में 4,28,278 जबकि 2020 में 3,71,503 प्राथमिकी के खिलाफ अपराधों के खिलाफ अपराध ही है। यानी कंपनी ने वर्ष 2022 में वर्ष 2021 में 1.25% की गई है। यानी कंपनी ने अपराध के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं, जबकि सरकार प्रयासों के चलते इनमें कमी आनी चाहिए थी। अभी पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए, लेकिन दुष्प्राणीय है कि इनमें महिला सुरक्षा को मुद्दा किसी भी दल का नहीं था। जबकि दश के अधिकांश राज्यों में कानून व्यवस्था की हालत लचर है, चुनावी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कई मामले सामने आए थे। एक मध्य प्रदेश की सरकारी थी, वह दूसरी में कंपनी की। इससे सफल है कि दल कोई भी हो, वह महिला सुरक्षा के प्रति संवेदनशील नहीं है। लेनों ही राज्यों में सत्ता बदली है और अब दोनों में भाजपा सरकार बालापी, लेकिन महिला सुरक्षा को प्रश्न यथा ही बना आया है। केंद्रीय दल ग्रंथालय के तहत काम करने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय के अनुसार अपराध के दर 66.4 प्रतिशत रही जबकि ऐसे मामलों में अपराध पत्र दायर करने की दर 75.8 रही। एनसीआरबी ने कहा कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ अधिकांश (31.4 प्रतिशत) अपराध पत्र या उसके रिश्तेवारों द्वारा कूटता किए जाने के थे, इसके बाद महिलाओं के अपहरण (19.2 प्रतिशत), शैल भंग करने के द्वारा से महिलाओं पर हमला (18.7 प्रतिशत) और बलाकार (7.1 प्रतिशत) के मामले रहे। वर्ष 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में सबसे अधिक दर 144.4 दिल्ली में दर्ज की गई। यानी राज्यों और दर 66.4 से कानून अधिक है। इस साल दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14,247 मामले सामने आए। आधिकारिक अंकड़ों से पता चाहा है कि दिल्ली में 2021 में ऐसे मामलों की संख्या 14,277 और 2020 में 10,093 रही थी। अंकड़ों में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में सबसे अधिक 65,743 प्राथमिकी दर्ज की गई, इसके बाद महाराष्ट्र (45,331), राजस्थान (45,058), पश्चिम बंगाल (34,738) व मध्य प्रदेश (32,765) रहे। एनसीआरबी के अनुसार पछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 (50%) इन पांच राज्यों में दर्ज किए गए। 12 राज्यों के संघरण प्रदेशों में अपराध तथा राष्ट्रीय और दर 66.4 से अधिक दर्ज की गई। आज जल्दी कानून व्यवस्था सुधारनी की है, महिलाओं के लिए भयमुक्त सुरक्षित माहील बनाने की है। यह मन्त्रालय से लेकर राज्य सरकारें व यूनिल प्रशासन महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने के लिए अग्र सफल नहीं हो रहे हैं, तो इसके पैर्टन के बदलने की जरूरत है। चुनावी शोर में महिला सुरक्षा मुद्दा दबावा नहीं चाहिए।



विनोद पाठक

कंप्रेस के लिए गहलोत बनाम सचिन का फैटकर आत्मघाती सावित हुआ। सचिन पायलट को तवज्ज्ञों ने मिलने से पार्टी का एक बड़ा धड़ा नाराज ही रहा। खुद सचिन पायलट ने प्रधानमंत्री ने चुनाव में थोड़ी मोदी की गारंटी को हालत लेवा को ही दिया। वैसे, भाजपा पूरी तरह आश्वस्त थी कि उसकी सत्ता में वापसी हो रही है, लेकिन अंकड़ों के हिसाब से राजस्थान सबसे कमज़ोर सावित हुआ है। निश्चित रूप से भाजपा संगठन के स्तर पर इसकी समीक्षा करेगी। चुनावी वालों को पूरा करने के लिए अंकड़ों की तरफ आंदोलन से भाजपा की रुचि रही है।

जस्थान में विवाज नहीं बदला। पांच साल बाद कंप्रेस सरकार की विवाइ हो गई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में यह चुनाव कंप्रेस ने सबसे मजबूती से लड़ा, जहाँ पार्टी की बूरी तरह हार नहीं हुई है, वरना वर्ष 2013 में कंप्रेस 21 सीटों पर सिमट गई थी। भारतीय जनता पार्टी ने अपनी ओर से मुख्यमंत्री का कोई चेहरा घोषित नहीं किया था। प्रधानमंत्री ने दो मोदी के चेहरे पर पार्टी बोट मांग रही थी। मुक्त की योजनाओं से भी भरे चुनाव में जब सचिन पायलट के खिलाफ गहलोत ने गारंटी का नाम लिया तो प्रधानमंत्री ने रेंड्र मोदी ने चुनाव से थोड़ी बहले मोदी की गारंटी को हालत लेवा को ही दिया। वैसे, भाजपा पूरी तरह आश्वस्त थी कि उसकी सत्ता में वापसी हो रही है, लेकिन अंकड़ों के हिसाब से राजस्थान सबसे कमज़ोर सावित हुआ है। निश्चित रूप से भाजपा संगठन के स्तर पर इसकी समीक्षा करेगी।

पहले बात कंप्रेस की करते हैं। वर्ष 2018 में राज्य में सरकार बनाने के बाद से कंप्रेस में अंतर्राष्ट्रीय छल कर रही थी। वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव बुरी तरह हारने के बाद भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर्कुटी पर बने रहे। कंप्रेस के सूखी व्यवस्था को लेकर भाजपा ने कुछ विधायिकों को लेकर बागवत कर दी। यही से कंप्रेस की हार की पटकथा लिखाने शुरू हो गई थी। जिन युर्जों ने कंप्रेस की वर्ष 2018 में सत्ता में वापसी की रुचि दियाई थी, वही वर्ष 2023 में कंप्रेस से दूर हो गए। यो पूर्वी राजस्थान में कंप्रेस की हार का बड़ा कारण बने।

कंप्रेस के लिए गहलोत बनाम सचिन का फैटकर आत्मघाती सावित हुआ। सचिन पायलट को तवज्ज्ञों ने मिलने से पार्टी का एक बड़ा धड़ा नाराज ही रहा। वो चुनाव में उस तरह से नहीं जुटा, जिसकी पार्टी उम्मीद कर रही थी। खुद सचिन पायलट ने प्रधार के दौरान मात्र 30 सभाएं की। पायलट वर्ष 2018 में सत्ता में वापसी की रुचि दियाई थी, वही वर्ष 2023 में कंप्रेस से उत्तरावकर आपनी प्रतिशोध पूरा किया है। गहलोत सरकार के खिलाफ अपराध रोकने के लिए अग्र सफल नहीं हो रहे हैं, तो इसके पैर्टन के बदलने की जरूरत है। चुनावी शोर में महिला सुरक्षा मुद्दा दबावा नहीं चाहिए।

राजनीति

डा. आशीष वशिष्ठ

हिंदी पट्टी में कांग्रेस
की हार के मायने

पां

च राज्यों के विधानसभा चुनावों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। खासकर हिंदी पट्टी की तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनाव नतीजों पर देशभर की आंखें टिकी हुई थीं। तीन तीन राज्यों में जितन तरह भारतीय जनता पार्टी ने कंप्रेस को पछाड़ा है, वो कालिवतारीपक है। वास्तव में कंप्रेस को इस बात का भरोसा था कि वो छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बरकरार रखेगी और मध्य प्रदेश को भाजपा से छीन लेगी। राजस्थान को लेकर उसकी राय वह थी कि यहाँ कांटे की टक्कर होगी, और हो सकता है कि अंशोक गहलोत अपनी सरकार बचा पाने में सफल रहेंगे। लेकिन कंप्रेस के राजनीतिकरणों के साथ अंदर वार्ता की तरफ आंदोलन और अंतर्राष्ट्रीय जनता पार्टी ने अपनी जमीन तलाश रही है। साल 2022 में उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव कंप्रेस का अब तक सबसे खाबर प्रदर्शन हो रहा है। उत्तर प्रदेश में कंप्रेस की योग्यी में खाबर हो रही है। और यही अंदर वार्ता की तरफ आंदोलन और अंतर्राष्ट्रीय जनता पार्टी ने अपनी जमीन तलाश रही है।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा की 519 और लोकसभा की 65 सीटें आती हैं। अगर हिंदी पट्टी के राज्यों जूम कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड और केंद्र शासित चंडीगढ़ एवं लोह लद्दाख में कुल 245 लोकसभा की सीटों पर हमला होता है। वर्तमान में कंप्रेस के पास हिंदी पट्टी में मात्र 14 लोकसभा सीसांस हैं। वर्तमान लोकसभा में कंप्रेस के कुल 51 सीसांस हैं और हिंदी पट्टी के एकमात्र राज्य हिमाचल प्रदेश में कंप्रेस की सरकार रही है। अंशोक गहलोत की तरफ आंदोलन और अंतर्राष्ट्रीय जनता पार्टी ने अपनी जमीन तलाश रही है। आज जल्दी कानून व्यवस्था सुधारनी की है, महिलाओं के लिए भयमुक्त सुरक्षित माहील बनाने की है। यह मन्त्रालय से लेकर राज्य सरकारों के खिलाफ अपराध रोकने के लिए अग्र सफल नहीं हो रहे हैं, तो इसके पैर्टन के बदलने की जरूरत है। चुनावी शोर में महिला सुरक्षा मुद्दा दबावा नहीं चाहिए।

संकलित
दर्शन

संक्षेप

चर्चेरे ससुर ने महिला के साथ किया छेड़ाइ, विरोध करने पर सामाजिक जलाया

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र स्थित के ग्राम पंचायत भीटी रावत टोला भरपुरा में बुधवार की रात में चर्चेरे ससुर महिला के कर्मणे में घृस गया और अकेला पाकर छेड़ाइ करने लगा। विरोध करने पर अरोपी घर में रखे नक्काश और सामाजिक जलाया कर रहा है। पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मिली जानकारी से सहजनवा थाना क्षेत्र के भीटी रावत टोला भरपुरा में राति 8.30 बजे महिला घर में अकेली थी। पीड़िती कार्य से भीटी रावत चौराहे पर गया हुआ था। उसी दौरान कर चर्चेरा ससुर अकेले देखकर घर में घृस गया। और छेड़ाइ करने लगा। महिला ने विरोध किया तो वह घर में रखा नक्काश, चारपाई, विस्तर, बच्चों के कार्ड में आग लगा कर जला दिया। और रखी गई बाक को तित्रस्त करते हुए। मारने पीड़ितों के लिए दौड़ा लिया तथा जान से मारने की धमकी दिया। पीड़िता ने अरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोटेदारोंने अपनी मांगों को लेकर बांधकर जाताया विरोध

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत क्षेत्र के कोटेदार अपनी मांगों को लेकर कपी बांध कर विरोध जाता है। कोटेदार अपनी मांगों को लेकर कपी बांध कर रहा था और प्रदर्शन कर रहे हैं। और सरकार ने इनकी मांगों को लेकर कुछ मुझे पर सहमति भी जाती थी। लेकिन अभी तक उस पर अमल नहीं किया गया है। कोटेदार सरकार से कपीशन और गुरुरात, छत्तीसगढ़ सरकार की तर्ज पर 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेव देने की मांग कर रहे हैं। तहसील क्षेत्र के कोटेदार ने कली भीटी बांधकर सरकार को चेतावनी दी है। इस संदर्भ में तहसील कोटेदार सघ अध्यक्ष नवनीय तिवारी ने बताया की बदि सरकार ने माझे नहीं मानी तो ऐ 15 जनवरी तक कोटेदार हड्डाल पर रहेंगे। और 16 जनवरी को दिल्ली में धरना प्रदर्शन करेंगे।

वर्ष 2022 की मिनी आईटीआई परीक्षा दो पालियों में, 20 व 21 दिसंबर को

अमन लेखनी समाचार

अनूपशहर, बबस्टरगांज पर आयोजित रागीनी कार्यक्रम में हरियाणा की प्रसिद्ध टीवी एवं रेडियो कलाकार राजबाला द्वारा सचालित सभी योजनाओं जैसे आयुष्मान, बद्धारेणी, पायं अमावस्या योजना, निशुल्क राशन योजना, उज्जवला योजना का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान दिवान कुमार जायसवाल, नोडल अधिकारी श्रीवाल यादव, भाजपा नेता रमेंद्र नाथ मिश्रा, ग्राम पंचायत अधिकारी अरविंद कुमार, हरिनाथ यादव, प्रधानाच्युत कुमार सुनेंद्र चौके, कमलेश, चंद्रिका, मोलहु, साधना, मंजू के साथ कई लोग मौजूद रहे।

अमेठी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रभात कुमार ने बताया कि 0.030 लाख सांकेतिक ट्रेनिंग, लखनऊ द्वारा संचालित मिनी आईटीआई 2022 की परीक्षा 20 दिसंबर 2023 व 21 दिसंबर 2023 को दो पालियों में सम्पन्न करायी जायेगी। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि मिनी आईटीआई 0.030 परीक्षा हेतु अहं जपद के सम्पन्न परायाथी अपने सम्बन्धित मदरसे में उपस्थित होकर अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर रहे।

उपहार

सशस्त्र सेना झांडा दिवस का शुभारंभ प्रतीक के रूप में झांडा देकर किया गया

अमन लेखनी समाचार/शोभित शुक्ला

फतेहपुर। सशस्त्र सेना दिवस सशस्त्र बलों में शहीदों और सैनिकों के सम्मान के लिए प्रतिवर्ष 7 दिसंबर को मनाया जाता है। झांडा दिवस का उद्देश्य सैनिकों द्वारा राश्ट्र के प्रति किए गए निस्वारथ योगदान के प्रति आपार व्यक्त करना है। उसी क्रम में पुस्तिका का विमोचन किया गया, तत्पश्चात जिला सेनिकल कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी द्वारा पुलिस अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर जिलाधिकारी न्यायिक, कोषाधिकारी फेटेहपुर, कमांडिंग आफीसर एन.सी.ओ.एस० आफीसर फतेहपुर को प्रतीक पिता अयोध्या यादव पाच भाई राम गेस, हरिहर, जीत नारायण, राजनाथ हैं। अपार में लोगों की पुनर्नायी जीवनी रीज़न चली आरही है। अयोध्या जीत नारायण और राम गेस अलग रहते हुए एक साथ हैं। हरिहर और राजनाथ अलग रहते हुए एक साथ हैं। एपार राजनाथ के पास मात्र लड़कियां हैं। वर्ष 2021 में अमित ने राजनाथ की लड़की को गोती मारकर हत्या का प्रावास किया था जिसमें जेल चला गया। वर्ष 2022 में जेल से जेल पर घुसा था। मुकदमा गठावी में चल रहा है। बीते बुधवार को देर रात अमित के कमर में गोती लाल गयी। अपार जीवनी रीज़न जीत नारायण और राजनाथ पर घुसा जाहिर किया। कोतवाल छत्रपाल सिंह ने इस घटना के सब्जेक्स में बताया कि पूरा मामला संदिधि प्रतीत हो रहा है। अभी लिखित तहरीर नहीं प्रियोंका विवरण नहीं देने वाले अपार लोगों ने अपने बातों पर घुसा रहा है। और जाहिर किया गया। एपार वार्षिक विवरण का जांच पड़ताल किया जा रहा है।



पुस्तिका का विमोचन किया गया, तत्पश्चात जिला सेनिकल कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी द्वारा पुलिस अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), कोषाधिकारी फेटेहपुर, कमांडिंग आफीसर एन.सी.ओ.एस० आफीसर फतेहपुर को प्रतीक पिता अयोध्या यादव पाच भाई राम गेस, हरिहर, जीत नारायण, राजनाथ जीत नारायण और राम गेस अलग रहते हुए एक साथ हैं। हरिहर और राजनाथ के पास मात्र लड़कियां हैं। वर्ष 2021 में अमित ने राजनाथ की लड़की को गोती मारकर हत्या का प्रावास किया था जिसमें जेल चला गया। वर्ष 2022 में जेल से जेल पर घुसा था। मुकदमा गठावी में चल रहा है। बीते बुधवार को देर रात अमित के कमर में गोती लाल गयी। अपार जीवनी रीज़न जीत नारायण और राजनाथ पर घुसा जाहिर किया। कोतवाल छत्रपाल सिंह ने इस घटना के सब्जेक्स में बताया कि पूरा मामला संदिधि प्रतीत हो रहा है। अभी लिखित तहरीर नहीं प्रियोंका विवरण नहीं देने वाले अपार लोगों ने अपने बातों पर घुसा रहा है। और जाहिर किया गया। एपार वार्षिक विवरण का जांच पड़ताल किया जा रहा है।

सदिंधि परिस्थिति में युवक कोलगी गोली, हुआ रेफर

गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के डड़वापारा गांव में बीतोरात करब 12 बजाए 30 मिनट पर एक युवक के कमर में सदिंधि परिस्थिति में गोली लग गयी। घटना की सूचना पर जिले जीत नारायण द्वारा पुलिस को दिया गया था। युवक को पर हुए और घावल को खत्ते से बाहर बताया जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अपर जिलाधिकारी न्यायिक, कोषाधिकारी फेटेहपुर, केन्द्रीय अनुसारी राजनीति विवरण दिवान द्वारा यादव, भाजपा नेता रमेंद्र नाथ मिश्रा, ग्राम पंचायत अधिकारी अरविंद कुमार, हरिहर जीत नारायण, राजनाथ जीत नारायण और राम गेस अलग रहते हुए एक साथ हैं। हरिहर और राजनाथ के पास मात्र लड़कियां हैं। वर्ष 2021 में अमित ने राजनाथ की लड़की को गोती मारकर हत्या का प्रावास किया था जिसमें जेल चला गया। वर्ष 2022 में जेल से जेल पर घुसा था। मुकदमा गठावी में चल रहा है। बीते बुधवार को देर रात अमित के कमर में गोती लाल गयी। अपार जीवनी रीज़न जीत नारायण और राजनाथ पर घुसा जाहिर किया। कोतवाल छत्रपाल सिंह ने इस घटना के सब्जेक्स में बताया कि पूरा मामला संदिधि प्रतीत हो रहा है। अभी लिखित तहरीर नहीं प्रियोंका विवरण नहीं देने वाले अपार लोगों ने अपने बातों पर घुसा रहा है। और जाहिर किया गया। एपार वार्षिक विवरण का जांच पड़ताल किया जा रहा है।

पंचायत राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी ब्लॉक गोला की सभागार में संघ के चुनाव का पर्चा दिखावा बुधवार को खत्ते से बाहर बताया जाता है। अपार में लोगों की पुनर्नायी जीवनी रीज़न चली आरही है। अयोध्या जीत नारायण और राम गेस अलग रहते हुए एक साथ हैं। हरिहर और राजनाथ अलग रहते हुए एक साथ हैं। हरिहर राजनाथ के पास मात्र लड़कियां हैं। वर्ष 2021 में अमित ने राजनाथ की लड़की को गोती मारकर हत्या का प्रावास किया था जिसमें जेल चला गया। वर्ष 2022 में जेल से जेल पर घुसा था। मुकदमा गठावी में चल रहा है। बीते बुधवार को देर रात अमित के कमर में गोती लाल गयी। अपार जीवनी रीज़न जीत नारायण और राजनाथ पर घुसा जाहिर किया। कोतवाल छत्रपाल सिंह ने इस घटना के सब्जेक्स में बताया कि पूरा मामला संदिधि प्रतीत हो रहा है। अभी लिखित तहरीर नहीं प्रियोंका विवरण नहीं देने वाले अपार लोगों ने अपने बातों पर घुसा रहा है। और जाहिर किया गया। एपार वार्षिक विवरण का जांच पड़ताल किया जा रहा है।



बड़ा नहीं होता है सिर्फ अलग अलग काम संभालने के लिए जिम्मेदारी दी जाती है पद तो सिर्फ पहचान के लिए दी जाती है।

संकल्प विकासित भारत यात्रा लाखों की शराब की गई बरामद

का किया गया आयोजन



अमन लेखनी समाचार/निर्मित द्विवेदी

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के बिंदकी तहसील जानाबाला के लिल्ली मोड़ पर पास घाटपुरु रोड से चौड

